॥ श्री ॥

अनगारधर्मामृत

ANAGAARADHARMAAMRITA

आशाधर · १३वीं शती · अभिलेख ६४/९०

आशाधर

संक्षिप्त परिचय

पं. आशाधर कृत धर्मामृत का मुनि-भाग — अनगार (मुनि) धर्म के मूलगुण-उत्तरगुणों का विस्तृत विवेचन; गृहस्थ पण्डित द्वारा रचित होकर भी मुनि-परम्परा में प्रमाण-रूप से मान्य।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

अनगारधर्मामृत — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ६४ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता आशाधर; रचना-काल १३वीं शती (लगभग)। इसी लेखनी से सागरधर्मामृत, श्रावकाचार, महाभिषेक, जिनयज्ञकल्प, धर्मामृत भी इस सूची में सम्मिलित हैं।

इसी लेखनी से

सागरधर्मामृत · श्रावकाचार · महाभिषेक · जिनयज्ञकल्प · धर्मामृत

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ · जैनकोश ↗ · Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ६४ — मूल छायाचित्र

← सागरधर्मामृत

श्रावकाचार →